मायु० ५.००

नाक: ०३५१

रैंगवी. ०१३५

वि.सं ०१.०१३

26

ॐ

विजयेश्वर पञ्चाङ्गम्

[मुहूर्तपत्र सहितं]

सप्तर्षिसम्वत्—५०४३। ई० १९६७-६८

ज्योतिर्विदा प्रेमनाथ शास्त्रिणा, श्रीकण्ठ काशीनाथ सहायतः

प्रकाशितं — शुभायास्तु

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



विजयेश्वर-ज्योतिष-कार्यालय

से मिलने वाली पुस्तकें :—

१ भवानीनामसहस्र, २ सन्ध्योपासन विधि, ३ कर्मकाण्ड दीपक [उ
४ पञ्चस्तवी, ५ कापी साईज में विचित्र रंगों में छपी हुई जन्मपत्री।
६ विचित्ररंगों में छपे हुये जन्मपत्री के लम्बे फार्म।

इदं पंचाङ्गं प्रेमनाथशास्त्रिणा गणितं प्रकाशितं लिखितञ्च शुभायास्तु।